आईआईएम रायपुर ने शुरू किया ऑनलाइन एग्जीक्यूटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम

रायपुर। आईआईएम में ऑनलाइन एग्जीक्यूटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम के दूसरे बैच की शुरुआत एक नंबवर से हुई। टैलेंट एज के सहयोग से जनरल मैनेजमेंट में यह सर्टिफिकेट प्रोग्राम चलाया जा रहा है। इसके लिए आवेदन कुछ दिनों पूर्व आमंत्रित किए गए थे। पूरा पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड में ही संचालित होगा। केवल कुछ विशेष सत्रों के लिए इसके कैंडिडेट्स को कैंपस में आमंत्रित किया जाएगा। संस्था सदस्यों ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें पाठ्यक्रम की जानकारी दी।

आईआईएम के निदेशक प्रो. भारत भास्कर ने दूसरे बैच का स्वागत करते प्रतिभागियों के साथ उत्साहजनक संदेश साझा किए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हजारों प्रबंधन पेशेवरों की आवश्यकता है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को वैश्विक अर्थव्यवस्था के संचालन की बारीकियों के बारे में तैयार करना है और देश के लाभ के लिए इस ज्ञान का लाभ उठाने के लिए उनका मार्गदर्शन करना है।

इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम का यह दूसरा बैच, जनरल मैनेजमेंट के अंतर्गत है यह पाठ्यक्रम

ये चीजें रहेंगी पाठ्यक्रम का हिस्सा

मैनेजमेंट, डिसीजन मेकिंग, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, सिमुलेशन और स्प्रेडशीट मॉडलिंग जैसी चीजें पाठ्यक्रम का हिस्सा रहेंगी। ऑनलाइन पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कैंडिडेट्स को आईआईएम का भ्रमण भी कराया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों का अनुभव बढ़ सकें। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. रश्मि शुक्ला ने इससे जुड़े विभिन्न घटकों के विषय में विस्तार से बताया। प्रो. शलभ सिंह ने जनरल मैनेजमेंट के दूसरे बैच के प्रतिभागियों का परिचय दिया। 83 छात्रों ने इसके लिए पंजीकरण कराया है। इनमें से अधिकतर के पास बैंकिंग, ई.कॉमर्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, आईटी और आईटीईएस, कंस्ट्रक्शन, कम्यूनिकेशन, हॉस्पिटेलिटि, एजुकेशन और ट्रेनिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव है।

पारंपरिक मॉडलों में आ रही बाधा

ई लर्निंग के प्रो. मोहित गोस्वामी ने संबोधित करते हुए कहा, व्यापार के पारंपरिक मॉडल बाधित हो रहे हैं। इसमें परिवर्तन और चुनौतियां आ रही हैं। विभिन्न देश वैश्वीकरण के व्यवसाय मॉडल से अपना ध्यान हटा रहे हैं और अपनी आंतरिक क्षमताओं को विकसित करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। छात्रों से लेकर पेशेवरों तक को अपने कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। कई चीजें हैं जो इसमें मदद कर सकती हैं।

एक बहुत ही मनोरंजक किस्से के माध्यम सेए उन्होंने खुद को खोजनेए जानने और समझने के 3 पहलुओं के बारे में बताया जो दिलए दिमाग और आत्मा को तालमेल में रखते हुए प्रभावी संचार में सक्षम बनाएगा। उन्होंने दोहराया किए इस कोर्स के माध्यम सेए प्ड रायपुर ने प्रबंधकों को कांपिटेंसी मैपिंग और पीयर टू पीयर लर्निंग से मदद करने का फैसला किया है जिससे वे अपने कैरियर में आगे बढ़ सकेंगे।

उद्घाटन सत्र प्रोफेसर शलभ सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ। उन्होंने इस कार्यक्रम को मूर्त रूप देने के लिए टैलेंटएज टीमए आईआईएम रायपुर के फैकल्टीए स्टाफ और आईटी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

Haribhoomi, 2nd Nov. 2020,p.12.png